का उपयोग करते हुए ऐसी पन-बिजली योजनाएं आरम्भ करने का है जिन से उत्तर प्रदेश तथा अन्य पड़ौसी राज्यो को सिंचाई तथा विद्युत् सप्लाई की सुविधाए जुटाई जा सकें ; और

(घ) यदि हा, तो ऐसी परियोजनाओ का ब्यौरा क्या है तथा उसके परिणाम स्वरूप उत्तर प्रदेश तथा इसके पडौसी राज्यो के औद्योगीकरण मे कितनी प्रगति होने की सभावना है तथा उससे कितने व्यक्तियो को रोजगार मिल जाने की आशा है ?

सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय मे उपमंत्री (श्री बैजनाथ कुरील) . (क) जी, हां ।

(ख) अपेक्षित सूचना विवरण मे दी गई है जो सभा पटल पर रख दिया गया है । [ग्रन्थालय मे रखा गया । देखिये संख्या LT-171/71]

(ग) और (घ) जलविद्युत् परियोजनाए सामान्यत. राज्य प्राधिकरणो द्वारा हाथ मे ली जाएगी ।

उत्तर प्रदेश में नई रेलवे लाइनें

171 **श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) उत्तर प्रदेश के उन स्थानो के क्या नाम है जहा सरकार का विचार वर्ष 1971-72 के दौरान बडी तथा मीटर-गेज लाइनें बिछाने का है;

(ख) क्या सरकार का विचार उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रो मे कुछ नई रेलवे लाइने बिछाने का है ,

(ग) यदि हा, तो उन सीमावर्ती क्षेत्रो के क्या नाम हैं; और

(घ) यदि नही, तो इसके क्या कारण है ?

रेल मत्री (श्री हनुमन्तैया) (क) से (घ) . रेलवे विकास पर विचार किसी राज्यवार या क्षेत्रवार धारणाओ के अनुसार नही बल्कि राष्ट्रीय हित मे समग्र विकास की दृष्टि से किया जाता है । चौथी योजना मे नयी लाइनो के निर्माण के लिए बहुत सीमित निधि है और विकास/प्रतिरक्षा के लिए सर्वोच्च अग्रता की दृष्टि से औचित्य होने पर केवल बहुत थोडी लाइनो का निर्माण चौथी योजना की अवधि मे शुरू किया जायगा । अभी तक चौथी योजना मे बनायी जाने वाली नयी लाइनो के प्रस्तावो को अन्तिम रूप नही दिया गया है । यह कहना असामयिक होगा कि उत्तर प्रदेश (सीमावर्ती क्षेत्र या अन्यथा) मे पूरा या आंशिक रूप से पडने वाली किसी लाइन का निर्माण 1971-72 या चौथी योजना मे शुरू किया जायगा या नही ।

मुरादाबाद से काठगोदाम की बड़ी रेलवे लाइन

172 **श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट** क्या रेल मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार का विचार उत्तर प्रदेश मे मुरादाबाद से लेकर काठगोदाम तक एक नई बडी रेलवे लाइन का निर्माण करने का है,

(ख) यदि हाँ, तो यह कार्य किस तारीख से हाथ मे लिया जायेगा, और

(ग) यदि नही, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्री (श्री हनुमन्तैया) (क) जी नही ।

(ख) सवाल नही उठाता ।

(ग) मुरादाबाद-बरेली बड़ी लाइन खण्ड के एक स्टेशन रामपुर से काठगोदाम के निकट